कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 13 अंक : 323 कानपुर, शनिवार 28 मई, 2022 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपये

राष्ट्रीय स्वरूप

aswaroop.in

चहल के खिलाफ खामोश रहता है मैक्सवेल का बल्ला 10

चार दिवसीय औद्यानिक फसलों के विकास एवं जलवायु परिवर्तन पर होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी

कानपुर । सीएसए में जलवायु परिवर्तन और और औद्यानिक फसलों के टिकाऊ विकास हेतु चार दिवसीय (28 से 31 मई 2022 तक) राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया

जा रहा है। जिसका उद्घाटन 28 मई 2022 को विश्वविद्यालय के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में प्रात: 10:00 बजे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि सेवा चयन बोर्ड नई दिल्ली के चेयरमैन डॉक्टर ए के श्रीवास्तव एवं कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह तथा आमंत्रित अतिथियों द्वारा किया जाएगा। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों के कुलपति, उद्यान वैज्ञानिक,शोधार्थी आदि लोग उद्यानिकी फसलों के विकास आदि पर व्याख्यान देंगे। यह राष्ट्रीय संगोष्ठी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के पूर्व उप महानिदेशक उद्यान डॉक्टर एचपी सिंह के विशेष सहयोग से आयोजित की जा रही है। इस संगोष्ठी में क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिक व किसान सम्मानित किए जाएंगे। कार्यक्रम के सचिव डॉ करम हुसैन ने बताया कि इस कार्यक्रम में देश के लगभग 400 से अधिक वैज्ञानिक शोधार्थी एवं किसान प्रतिभाग कर रहे हैं।

हिंदुस्तान 28/05/2022

सीएसए में जलवायु परिवर्तन पर आज से मंथन

कानपुर। सीएसए में देशभर के विशेषज्ञ जलवायु परिवर्तन पर मंथन करेंगे। 28 से 31 मई के बीच विवि में चार दिवसीय आर्गेनिक फसलों के विकास व जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। कैलाश भवन में उद्घाटन कृषि सेवा चयन बोर्ड नई दिल्ली के चेयरमैन डॉ. एके श्रीवास्तव व कुलपति डॉ. डीआर सिंह करेंगे।

Sign in to edit and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

राष्ट्रपति कोविंद बोले, गणपति उत्सव ने राष्ट्रीय... 12

सुभारती फाइन आर्ट कॉलेज में विदाई समारोह का... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 13 | अंक: 223
मूल्य: ₹ 3.00/-
पेज : 12
शनिवार | 28 मई, 2022

जलवायु परिवर्तन व औद्यानिक फसलों के टिकाऊ विकास के लिए होगी संगोष्ठी

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में जलवायु परिवर्तन और औद्यानिक फसलों के टिकाऊ विकास के लिए 28 से 31 मई तक चार दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में मुख्य अतिथि कृषि सेवा चयन बोर्ड नई दिल्ली के चेयरमैन डॉ. ए. के. श्रीवास्तव और कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह आमंत्रित अतिथियों के साथ करेंगे। कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के पूर्व उप महानिदेशक उद्यान डॉ. एच. पी. सिंह के विशेष सहयोग से आयोजित की जाने वाली इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों के कुलपति, उद्यान वैज्ञानिक, शोधार्थी आदि लोग उद्यानिकी फसलों के विकास आदि पर व्याख्यान देंगे तथा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों और किसानों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के सचिव डॉ. करम हुसैन ने बताया कि इस कार्यक्रम में देश के लगभग 400 से अधिक वैज्ञानिक शोधार्थी एवं किसान प्रतिभाग कर रहे हैं।

दैनिक जागरण 28/05/2022

कानपुर जागरण

सीएसए में कृषि पत्रकारिता की होगी शुरुआत

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में अगले सत्र से कृषि पत्रकारिता कोर्स की शुरुआत होगी। इसके लिए संस्थान की ओर से जल्द ही पत्रकारिता संस्थान से करार किया जाएगा। विश्वविद्यालय की ओर से कोर्स से संबंधित पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जा रही है। एकेडमिक काउंसिल की बैठक में इस पर फैसला होने की उम्मीद है।

सीएसए के गृह विज्ञान महाविद्यालय में संचालित बीएससी आनर्स कम्युनिटी साइंस कोर्स में छात्र-छात्राओं को टेक्सटाइल,

फूड साइंस, ह्यूमन डेवलपमेंट, फैमिली रिसोर्स मैनेजमेंट, एग्रीकल्चर एक्सटेंशन विषयों की जानकारी दी जाती है। एग्रीकल्चर एक्सटेंशन में ही विद्यार्थियों को मास कम्युनिकेशन, आडियो विजुअल ऐड्स, प्रिंट मीडिया व जर्नलिज्म आदि पाठ्यक्रम पढ़ाए जाते हैं। अब विश्वविद्यालय अलग से कृषि पत्रकारिता विषय में स्नातक कोर्स की शुरुआत करेगा। कुलपति डा. डीआर सिंह ने बताया कि इस कोर्स को शुरू करने के लिए अगले माह पत्रकारिता संस्थान से करार किया जाएगा। विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों के साथ ही पत्रकारिता संस्थान के शिक्षक मिलकर इस कोर्स को संचालित करेंगे। इसके लिए जल्द ही फैसला होगा। कृषि पत्रकारिता कोर्स शुरू होने से विद्यार्थियों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। विश्वविद्यालय के छात्र पत्रकारिता के क्षेत्र में भी भविष्य बना सकेंगे।

हिंदी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

शनिवार, 28 मई, 2022 | लखनऊ से प्रकाशित | वर्ष : 08, अंक

513 करोड़ से स्मार्ट बनेगा राजधानी लखनऊ... पेज-2

चार दिवसीय औद्यानिक फसलों के विकास एवं जलवायु परिवर्तन पर होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी

कानपुर। सीएसए में जलवायु परिवर्तन और और औद्यानिक फसलों के टिकाऊ विकास हेतु चार दिवसीय (28 से 31 मई 2022 तक) राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्घाटन 28 मई 2022 को विश्वविद्यालय के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में प्रात: 10:00 बजे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि सेवा चयन बोर्ड नई दिल्ली के चेयरमैन डॉक्टर ए के श्रीवास्तव एवं कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह तथा आमंत्रित अतिथियों द्वारा किया जाएगा। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों के कुलपति, उद्यान वैज्ञानिक,शोधार्थी आदि लोग उद्यानिकी फसलों के विकास आदि पर व्याख्यान देंगे। यह राष्ट्रीय संगोष्ठी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के पूर्व उप महानिदेशक उद्यान डॉक्टर एचपी सिंह के विशेष सहयोग से आयोजित की जा रही है। इस संगोष्ठी में क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिक व किसान सम्मानित किए जाएंगे। कार्यक्रम के सचिव डॉ करम हुसैन ने बताया कि इस कार्यक्रम में देश के लगभग 400 से अधिक वैज्ञानिक शोधार्थी एवं किसान प्रतिभाग कर रहे हैं।

जाएंगी। (ब्यूरो)

अमर उजाला 28/05/2022

जलवायु परिवर्तन पर मंथन आज से

कानपुर। सीएसए में शनिवार से 'जलवायु परिवर्तन और औद्यानिक फसलों के टिकाऊ विकास' विषय पर चार दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू होगी। उद्घाटन मुख्य अतिथि कृषि सेवा चयन बोर्ड नई दिल्ली के चेयरमैन डॉ. एके श्रीवास्तव, कुलपति डॉ. डीआर सिंह करेंगे। मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि संगोष्ठी में देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों के कुलपति, उद्यान वैज्ञानिक और शोधार्थी व्याख्यान देंगे। उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिक व किसान सम्मानित किए जाएंगे। कार्यक्रम के सचिव डॉ. करम हुसैन ने बताया कि कार्यक्रम में 400 से अधिक वैज्ञानिक, शोधार्थी और किसान हिस्सा लेंगे। (संवाद)

न्यूज डायरी

अमर उजाला 28/05/2022

प्राकृतिक खेती से सुधरेगी मिट्टी की सेहत

कानपुर। प्राकृतिक खेती से मिट्टी और मानव स्वास्थ्य दोनों बेहतर होते हैं। अगर मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ानी है तो प्राकृतिक खेती करनी ही होगी। शुक्रवार को सीएसए के प्रसार निदेशालय में प्राकृतिक खेती से लाभ विषय पर आयोजित कार्यशाला के दूसरे और अंतिम दिन समन्वयक प्रसार निदेशालय डॉ. एके सिंह ने कहा कि एक गाय से दो एकड़ में खेती की जा सकती है। गाय के गोबर और मूत्र से घनामृत, बीजामृत, जीवामृत और गोबर खाद से खेती की जाती है। इस मौके पर डॉ. डीपी सिंह, डॉ. पीके राठी और सीएसए से संबद्ध 15 केवीके के वैज्ञानिक मौजूद रहे। (ब्यूरो)

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:13 | अंक:114 | देहरादून, शुक्रवार, 27 मई, 2022 | पृष्ठ:08

औद्यानिक फसलों के विकास एवं जलवायु परिवर्तन पर होगी संगोष्ठी

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में जलवायु परिवर्तन और और औद्यानिक फसलों के टिकाऊ विकास हेतु चार दिवसीय (28 से 31 मई 2022 तक) राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्घाटन दिनांक 28 मई 2022 को विश्वविद्यालय के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में प्रातः 10रू00 बजे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि सेवा चयन बोर्ड नई दिल्ली के चेयरमैन डॉक्टर ए के श्रीवास्तव एवं कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह तथा आमंत्रित अतिथियों द्वारा किया जाएगा इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों के कुलपति, उद्यान वैज्ञानिक,शोधार्थी आदि लोग उद्यानिकी फसलों के विकास आदि पर व्याख्यान देंगे यह राष्ट्रीय संगोष्ठी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के पूर्व उप महानिदेशक उद्यान डॉक्टर एचपी सिंह के विशेष सहयोग से आयोजित की जा रही है। इस संगोष्ठी में क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिक व किसान सम्मानित किए जाएंगे। कार्यक्रम के सचिव डॉ करम हुसैन ने बताया कि इस कार्यक्रम में देश के लगभग 400 से अधिक वैज्ञानिक शोधार्थी एवं किसान प्रतिभाग कर रहे हैं।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • शनिवार • 28 मई • 2022

फसलों में जलवायु परिवर्तन के असर पर सीएसए में मंथन आज से

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में जलवायु परिवर्तन और वागवानी (औद्यानिक) फसलों के टिकाऊ विकास पर देश भर से आये कृषि वैज्ञानिक मंथन कर भविष्य में किये जाने वाले कार्यों के रोडमैप पर चर्चा करेंगे। कृषि वैज्ञानिकों का यह जमावड़ा 28 से 31 मई तक उक्त विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में होगा। संगोष्ठी का उद्घाटन शनिवार को प्रातः 10 वजे मुख्य अतिथि कृषि सेवा चयन वोर्ड नई दिल्ली के चेयरमैन डॉ. एके श्रीवास्तव, विवि कुलपति डॉ. डीआर सिंह व अन्य आमंत्रित अतिथि करेंगे।

कार्यक्रम सचिव डॉ. करम हुसैन ने वताया कि इस कार्यक्रम में देश भर से लगभग 400 से अधिक वैज्ञानिक, शोधार्थी व प्रगतिशील किसान भाग लेंगे। इस अवसर पर क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों व किसानों को सम्मानित भी किया जायेगा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के पूर्व उप महानिदेशक उद्यान डॉ. एचपी सिंह के विशेष सहयोग से आयोजित इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति, उद्यान वैज्ञानिक व शोधार्थी औद्यानिक फसलों के विकास पर व्याख्यान देने के साथ ही संवंधित शोधपत्र प्रस्तुत करेंगे।

कार्य